डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 249 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 25 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

ई अटेंडेंस: नेटवर्क के साथ पोर्टल की समस्या..!

ट्रॉयल में फिलहाल बेपटरी नई व्यवस्था

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूल के शिक्षकों की सोमवार से ऑनलाइन हाजरी की नई व्यवस्था शुरु हो गई है। ट्रायल के रूप में शिक्षकों ने सेल्फी लेकर शिक्षक ई-गवर्नेंस प्रणाली पर अपलोड किया। नई व्यवस्था के लिए शुरु किया गया ट्रायल 30 जून तक चलेगा। हालांकि ट्रॉयल में यह नई व्यवस्था बेपटरी ही नजर आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों को नेटवर्क नहीं मिलने के कारण परेशानी हुई। उन्होंने सेल्फी ले ली, लेकिन पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सका।

शिक्षकों का कहना है कि आधे घंटा का समय इस सिस्टम में लग रहा है। पहले ही दिन नेटवर्क संबंधित समस्या सामने आई। इसके बाद दूसरे दिन मंगलवार को नेटवर्क समस्या के अलावा पोर्टल तकनीकी समस्या से ग्रस्त नजर आया। बता दें कि लोक शिक्षण से आए पत्र के अनुसार 23 से 30 जून तक इस नई व्यवस्था की ट्रायल होगी, उसके बाद 01 जुलाई से इसे अनिवार्य किया जा रहा है।

ऐसे दर्ज हो रही अटेंडेंस...

इस नई व्यवस्था के तहत शिक्षक विद्यालयों में पहुंचकर एक घंटे के अंतराल में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करेंगे। जब छुट्टी होगी तब आधा घंटा पूर्व या बाद में ई-उपस्थिति लगेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात उपस्थिति दर्ज करने पर आधे दिन का आकस्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को फेस रिकॉग्निशन (फेस स्कैन) के जरिए उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सार्थक एप शिक्षकों के स्थान और चेहरे की पहचान करेगा। एप शिक्षकों के हर मूवमेंट को भी ट्रैक करेगा।

छुट्टी भी ऑनलाइन...

नवीन व्यवस्था में कर्मचारियों और शिक्षकों के सभी आवेदन प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा होगी। यही वजह है कि इस एप के बाद अब शिक्षकों को अपने स्वत्वों से संबंधित आवेदन देने, उनके हितलाभ की जानकारी, उनका संधारण, व्यक्तिगत लाभ एवं स्वत्वों के भुगतान की भी सुविधा होगी। इसी एप के माध्यम से अब शिक्षक अपने अवकाश आदि के आवेदन भी दे सकेंगे। इसी एप पर शिक्षकों की क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान आदि विभाग से जुड़ी सभी जानकारियां उपलब्ध भी रहेगी।

इधर नई व्यवस्था का विरोध...

मंत्री बोले-नहीं होगा आदेश वापिस, चपरासी से डीईओ तक लगाएंगे हाजिरी

ई अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों का विरोध प्रदेशभर में जारी है। हालांकि, यह आदेश विरोध के बाद भी वापिस नहीं होगा। शिक्षकों के लिए ई अटेंडेंस सिस्टम लागू किए जाने का विरोध करने पहुंचे शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मंत्री ने साफ कह दिया है कि इसका पालन करना होगा। विभाग के छोटे से बड़े अधिकारी, कर्मचारी पर यह व्यवस्था लागू होगी। इसलिए सबको साथ देना होगा। मंत्री ने यह भी कहा है कि सितंबर से स्कूल शिक्षा विभाग में नए नियमों के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होगी। संघ प्रतिनिधियों ने मंत्री से पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने, शैक्षणिक सत्र आगामी सत्र में 01 जुलाई से प्रारंभ करने, जनशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति में आयु 56 वर्ष करने, अध्यापक संवर्ग में शेष रहे शिक्षकों को सातवां वेतन प्रदान करने की मांगों से भी अवगत कराया। मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग में चपरासी से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी तक की अटेंडेंस लगाएंगे और आप सब सहयोग करें। आपकी सारी समस्याओं का हल हम करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के नियमों का अति शीघ्र सरलीकरण किया जाएगा और आश्रित परिवार को अनुकंपा देना प्राथमिकता में है।

व्यापारी से विवाह प्रस्ताव के बहाने ढाई लाख से अधिक ठगे

ठग ने खुद को डीआरडीओ का अधिकारी बताया, फर्जी चित्रों का किया उपयोग, प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के एक व्यापारी परिवार को विवाह प्रस्ताव के बहाने ठगी का शिकार बनाया गया। स्वयंवर (मेट्रिमोनियल) साइट पर फर्जी नाम और पहचान से परिचय बढ़ाकर, खुद को रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) का अधिकारी बताने वाले ठग ने परिवार से 2 लाख 66 हजार रुपये की ठगी की।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया है। फरियादी ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन के विवाह के लिए एक वैवाहिक वेबसाइट पर प्रोफ़ाइल बनाई थी। 20 जनवरी 2025 को 'अर्जुन वर्मा सोनी' नामक युवक की ओर से परिचय प्रस्ताव आया, जिसे स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच संवाद प्रारंभ हुआ। आरोपी ने खुद को जयपुर निवासी और डीआरडीओ में कार्यरत बताया। साथ ही अपने पिता को सेवानिवृत्त फौजी, माता को न्यायिक दंडाधिकारी और बहन को मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ बताया। 02 मार्च को आरोपी ने बताया कि वह परिवार सहित मंदसौर आ रहा है। इसी दौरान फोन पर जानकारी दी गई कि यात्रा के दौरान पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई, उन्हें गीतांजलि अस्पताल फिर दिल्ली के फौजी अस्पताल में भरती कराया गया। इसके बाद 18 बार अलग-अलग बहानों से रुपए की मांग की गई।

इस तरह हुई ठगी...

प्रारंभ में 35,000 रुपए की राशि मांगी गई, जो लौटाई गई। इसके बाद क्रमशः 51,000, 1.20 लाख, 40,000, 15,000, 45,000, 15,000 और 25,000 रुपये भेजे गए। कुल 3.81 लाख रुपये में से 1.15 लाख लौटाए गए और 2.66 लाख की ठगी की गई।

फर्जी चित्र का किया उपयोग...

जब पीड़ित परिवार को संदेह हुआ, तब उन्होंने पुलिस में शिकायत की। जांच में पता चला कि अर्जुन द्वारा भेजे गए चित्र असली नहीं थे, बल्कि 'शिवम सहगल' नामक युवक की इंस्टाग्राम से ली गई फोटो का दुरुपयोग किया गया था।

मामला दर्ज, जांच जारी...

थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि फरियादी की पहचान गोपनीय रखते हुए मामला दर्ज किया गया है। 318(4) बीएनएस एवं 420 भा.दं.सं. की धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। ठगों के 5 मोबाइल नंबर और 04 बैंक खातों की जांच की जा रही है। प्रकरण को साइबर सेल को सौंपा गया है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

स्कूल से लौट रही बच्चियों के अपहरण का प्रयास, ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ा?

सीतामऊ क्षेत्र के धतुरिया-दीपाखेड़ा मार्ग पर कार सवारों ने की कोशिश, पुलिस जांच में जुटी

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊथाना क्षेत्र के धतुरिया और दीपाखेड़ा गांव के बीच उस समय सनसनी फैल गई, जब स्कूल से लौट रही बालिकाओं को एक अल्टो कार सवार कुछ युवकों द्वारा जबरन अपहरण का प्रयास किया गया। बच्चियाँ दीपाखेड़ा स्थित स्कूल से छुट्टी के बाद अपने गांव धतुरिया लौट रही थीं।

ग्रामीणों के अनुसार संदिग्ध कार को देख उन्होंने तुरंत सक्रियता दिखाई और उसे रोकने की कोशिश की। उन्होंने गाड़ी को रोक लिया। लेकिन, उसमें सवार तीन युवक भागने में सफल रहे। जबकि, एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक नशे की हालत में था। सूचना मिलने पर सीतामऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।ग्रामीणों में आक्रोश भी था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं ग्रामीणों की सतर्कता की सक्रियता से एक संभावित गंभीर वारदात टल गई।

लोगों ने की कुटाई, किया पुलिस के हवाले...

घटना के बाद ग्रामीणों में जमकर आक्रोश देखा गया। लोगों ने पकड़े गए आरोपी की जमकर पिटाई की। इसके बाद भी लोगों का आक्रोश काम नहीं था। आरोपियों की गाड़ी में लोगों ने आग लगा दी। इसके बाद पकड़ में आए आरोपी को पिकअप में डाल कर ले गए। बाद में पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

क्षतिग्रस्त बिना नम्बर कार से 54 किलो डोडाचूरा बरामद

पिपलियामंडी, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने बिना नम्बर क्षतिग्रस्त कार से 54 किलो डोडाचूरा बरामद किया। आरोपी फरार है। कार हरियाणा पासिंग बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ पुलिस ने मोल्याखेडी कच्चे रास्ते पहुंची। लावारिस अवस्था में क्षतिग्रस्त कार पडी मिली। जिसके अन्दर तीन कट्टे पडे थे। तलाशी लेने पर उसमें 54 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मंदसौर में खप रही रतलाम की शराब..!

सीतामऊ पुलिस ने रतलाम में दी दबिश, खाली हाथ लौटी

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। रतलाम जिले से बड़ी मात्रा में अवैध शराब आसपास के जिलों में खपाई जा रही है। पहले मंदसौर के सीतामऊपुलिस ने रतलाम से गई अवैध शराब को पकड़ा था। तब शराब ठेकेदार के द्वारा अवैध शराब भेजना सामने आया था। रविवार को भी मंदसौर जिले की अफजलपुर पुलिस ने बड़ी मात्रा में एक कार से रतलाम से भेजी गई अवैध शराब जब्त की। यह अवैध शराब रतलाम के माल्या गांव के शराब ठेके से भरवाई गई थी। पुलिस ने शराब तस्कर से पूछताछ की तो सामने आया कि उसे शराब, ठेकेदार सहित तीन लोगों ने दी थी। इसके बाद पुलिस ने शराब ठेकेदार और दो अन्य लोगों को भी आरोप बनाया।

संपूर्ण कार्यवाही के बाद मंदसौर पुलिस का दल रतलाम के शराब कारोबारियों की तलाश में गया। वहां अलग-अलग पांच स्थान पर दबिश दी गई। दबिश का काम सुबह 04 बजे से शुरू हुआ और 10 बजे मंदसौर पुलिस लौट गई। इसकी वजह यह रही कि जिनकी तलाश में दल आया, वे सभी पूर्व सूचना पर फरार होना बताया जा रहा है। अफजलपुर थाना प्रभारी सुनील जाटव ने बताया कि मुखबीर सूचना मिली थी एक कार अवैध शराब लेकर अर्निया गुर्जर से कुचडोद की तरफ आ रही है। सूचना पर नाकाबंदी कर कार को रोका। कार चालक ने भागने की कोशिश की। जिसको पकड़ कर कार की तलाशी ली गई। कार के अन्दर अवैध शराब 10 पेटी प्लेन कुल लीटर 90 लीटर एवं 6 पेटी पावर बीयर कुल 72 लीटर कुल 162 लीटर शराब रविवार को जब्त की गई।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी शंभु पिता लक्ष्मण गायरी निवासी नाग खजुरी थाना सीतामऊ को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया। जहां से एक दिन के लिए आरोपी को पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी शंभु ने बताया कि वह शराब ठेकेदार राजेंद्र सिंह, राहुल सिंह और बापूलाल से यह अवैध शराब लेकर आया है। इसके बाद ही मंदसौर जिले से पुलिस बल आरोपियों की तलाश में भेजा गया था।

इनका कहना...

रतलाम केवे शराब तस्कर जो मंदसौर में अवैध रूप से शराब भेज रहे है, उन पर मुकदमा कायम किया है। तलाश में दल भेजा था। संभवत सभी फरार हो गए है। सघनता से तलाश जारी है।

अभिषेक आनंद
पुलिस कप्तान मंदसौर

एमपीईबी:सुरक्षा निधि से कटेगी उपभोक्ता की जेब

तीन महीने की बढ़ी हुई खपत कंपनी तीन किश्तों में करेगी वसूल

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अगले महीने से बिलों में सुरक्षा निधि बढ़ाई जाएगी। ऐसे में बिल में वृद्धि होगी और उपभोक्ताओं पर भार बढ़ जाएगा। दरअसल पिछले साल करीब 20

प्रतिशत बिजली खपत बढ़ी है। ऐसे में अब अगले तीन महीने इसी बढ़ी हुई खपत को तीन किश्तों में कंपनी वसूल करेगी। बता दें कि बिजली कंपनी 45 दिन की औसत खपत के बराबर की राशि सुरक्षा निधि में जमा कराती है। कंपनी उपभोक्ता के पिछले 12 महीनों के बिलों का विश्लेषण करती है और कुल खपत का औसत निकाला जाता है। निकाली गई औसत मासिक खपत को वर्तमान टैरिफ (बिजली दरों) से गुणा करके मासिक औसत बिल की गणना की जाती है। इसमें फिक्स्ड चार्ज (स्थिर प्रभार), एनर्जी चार्ज और अन्य लागू शुल्क शामिल होते हैं।

यह है सुरक्षा निधि का गणित...

उदाहरण के तौर पर एक उपभोक्ता की 12 महीनों की औसत मासिक खपत 200 यूनिट है। वर्तमान टैरिफ के अनुसार 200 यूनिट का मासिक बिल लगभग 1500 रुपये आता है। प्रतिदिन 50 रुपये की खपत हो गई। 45 दिनों में ये 2250 रुपये बनती है। अभी उपभोक्ता की 1500 रुपये सुरक्षा निधि जमा है तो अतिरिक्त 750 रुपये की तीन किश्तों में वसूली होगी। यानि अब 250 रुपये तीन माह तक अतिरिक्त जुड़कर आएंगे।

स्टेटस डालकर सुसाइड करने वालों को बचाएगी पुलिस

भोपाल/मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। आत्महत्याओं का ग्राफ अब कम हो सकेगा। सोशल मीडिया पर स्टेटस डालकर या लाइव सुसाइड करने वालों की जान पुलिस बचा सकेगी। इसके लिए मप्र पुलिस ने मेटा से करार कर लिया है। इसके तहत यदि किसी ने आत्महत्या करने से पहले इससे जुड़ी पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की तो मेटा से साइबर मुख्यालय में टीम को तुरंत अलर्ट मिलेगा। लोकेशन भी पता चलेगी। समय रहते पुलिस पहुंचकर लोगों को बचाएगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टा पर किसी के सुसाइड से जुड़ी कोई पोस्ट डालने पर या फिर लाइव स्ट्रीमिंग या वीडियो बनाते ही मेटा का सिस्टम अलर्ट हो जाता है। यह पुलिस को तत्काल अलर्ट मैसेज भेजता है। इसके बाद साइबर मुख्यालय में तैनात टीम उस एरिया का लोकेशन पता कर स्थानीय पुलिस को मौके पर भेजती है। इस सिस्टम की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है।

दोपहर तक तेज धूप, बाद में बादल और बारिश

मंदसौर मंडी में फिर अव्यवस्थाओं का शिकार बना किसान

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को मौसम अलग ही रंग में दिखा। शहर में एक ही समय में कही तेज धूप, कहीं बादल तो कहीं बारिश हुई। इधर बारिश के बाद गर्मी से लोगों को राहत मिली है। अब तक इंच बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले साल इस समय तक 03.34 इंच बारिश हुई थी। कुल मिलाकर बारिश का 10 प्रतिशत कोटा अभी से ही पूरा हो चुका है। इधर किसान को कृषि उपज मंडी में फिर अव्यवस्थाओं का शिकार बनकर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। बारिश में किसानों की लहसुन भीग गई। इसके अलावा सीतामऊ, दलौदा सहित जिले के अन्य कई क्षेत्रों में बारिश हुई।

मंगलवार को भी सुबह से बादल छाए रहे। इसके बाद दोपहर में धूप खिली। इधर मल्हारगढ़, नारायणगढ़ सहित कुछ क्षेत्रों में दोपहर में बारिश भी हुई। इधर मंदसौर के कृषि उपज मंडी क्षेत्र में भी करीब बीस मिनट बारिश हुई। जिससे किसानों की लहसुन भी भीग गई। इसके अलावा 24 जून को मंदसौर में बारिश अलर्ट जारी किया गया था। इधर मध्यप्रदेश के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। सोमवार को कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी रहा। ग्वालियर, चंबल, सागर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग के कई जिलों में अति भारी या भारी बारिश की संभावना बताई गई थी। शिवपुरी-श्योपुर में रेड, जबकि बाकी हिस्से में ऑरेंज और यलो अलर्ट दर्शाया गया था।

मौसम विभाग के मुताबिक, शिवपुरी-श्योपुर में अगले घंटे में ज्यादा पानी गिर सकता है। ग्वालियर, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पांढुर्णा, बालाघाट में अति भारी यानी, 24 घंटे में 08 इंच तक बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, भिंड, मुरैना, शाजापुर, देवास, रतलाम, विदिशा, रायसेन, सागर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला में भारी बारिश होने की संभावना है। भोपाल, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

मंडी में भीगी किसानो की फसल...

मंदसौर शहर में खंड वर्षा के रूप में बारिश हुई। शाम को शहर के मध्य क्षेत्र में काले बादल छाए रहे। बीच बीच में बूंदाबांदी भी हुई। कुछ समय कृषि उपज मंडी क्षेत्र की तरफ तेज बारिश हुई। मंडी की अव्यवस्थाओं के चलते किसानो की उपज एक बार फिर से भीग गई। स्थिति यह थी कि किसानों की लहसुन पानी में बहते हुए नजर आई। इससे किसानों को नुकसान हुआ है।

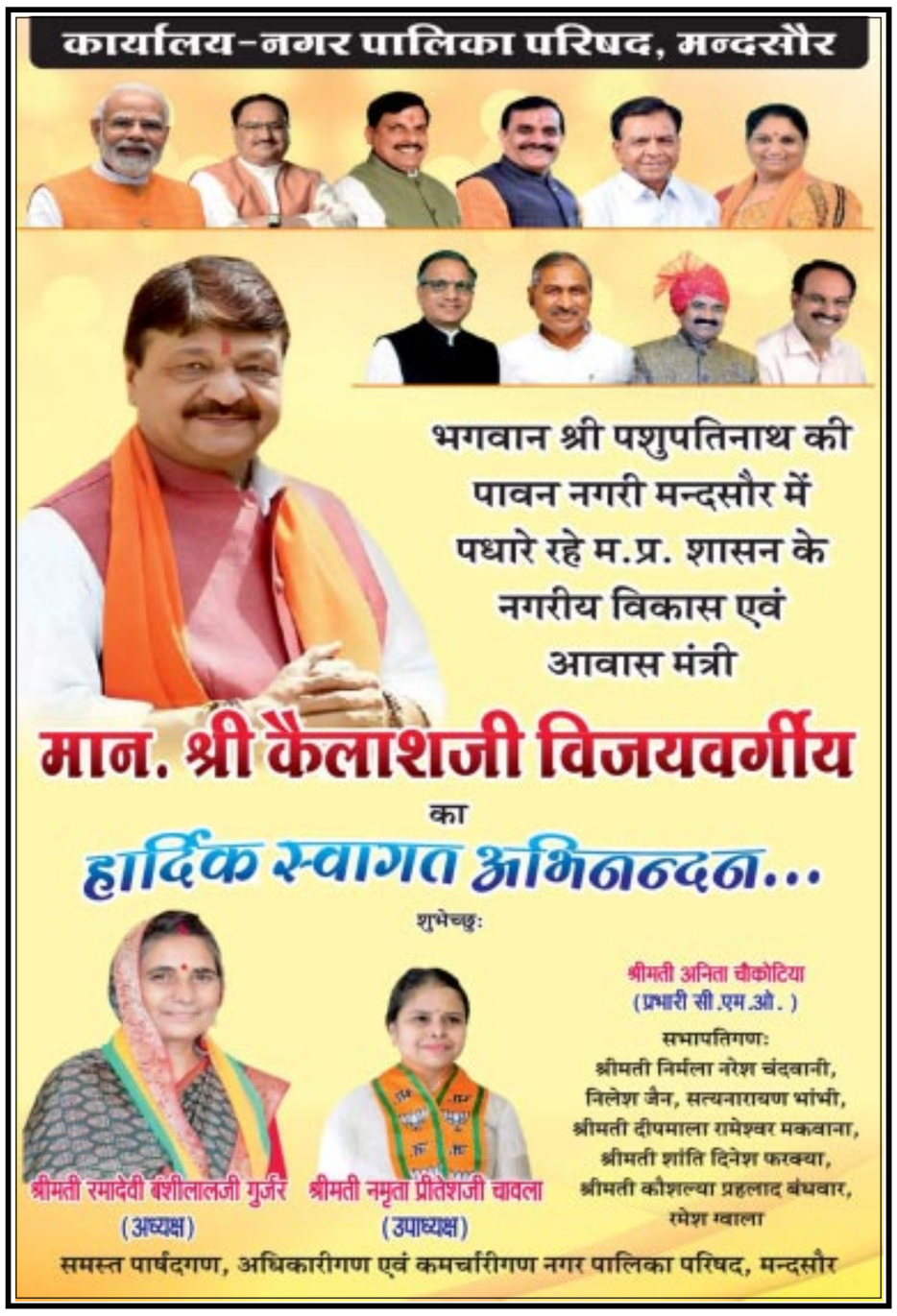

विचार-मंथन

पायलटों पर न पड़े मनोवैज्ञानिक दबाव...

अहमदाबाद के दिल दहलाने वाले विमान हादसे को हमारी सामूहिक यादों से मिटने में कई सप्ताह लग जाएंगे. यह केवल उन भारतीयों या विदेशियों के बारे में नहीं है जो दुर्भाग्य से एयर इंडिया ड्रीमलाइनर की भीषण दुर्घटना में मारे गए, बल्कि उन सभी लोगों के बारे में भी है जो नियमित रूप से दुनिया भर में उड़ान भरते रहते हैं. सभी यात्रियों के अब मन में एक गहरा डर बना रहेगा, भले ही वे समय बचाने के लिए एक जगह से दूसरी जगह उड़ान भरकर अपने पेशेवर या पारिवारिक दायित्वों का पालन करना जारी रखें. लेकिन यह हवाई यात्रियों और उनके परिवारों को यह याद दिलाने का भी समय है कि वे वर्षों से यात्रा कर रहे थे और प्रशिक्षित पायलट और चालक दल उनका ध्यान रख रहे थे तथा उन्हें सुरक्षित घर पहुंचा रहे थे. हालांकि, विमानन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) और अमेरिका के विमानन नियामक संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने भारत द्वारा अपनाए जा रहे उड़ान-योग्यता मानकों के आधार पर भारत को बहुत ऊंचा (वैश्विक औसत से ऊपर) दर्जा दिया है. रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2018 में सुरक्षा रैंकिंग में भारत का रिकॉर्ड 69.95 प्रतिशत था, वहीं 2022 में यह 85.65 प्रतिशत हो गया, जब भारत सरकार की डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशक) संस्था का विश्व निकाय द्वारा निरीक्षण किया गया. संयुक्त राष्ट्र निकाय के पास कई पैरामीटर हैं जिनके आधार पर हवाई सुरक्षा का निर्धारण किया जाता है. इनमें यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं के अलावा उड़ान योग्यता, कानून (भारत 100 प्रतिशत अनुपालन करता है), हवाई अड्डे और

विविध संचालन शामिल हैं. भारत सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है और इसलिए इसमें सभी शीर्ष श्रेणी के कड़े सुरक्षा उपाय होने चाहिए. सरकार 2017 से 'उड़ान' जैसी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है, जिससे इस क्षेत्र पर और बोझ बढ़ रहा है क्योंकि 90 अंतर्देशीय हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 600 से अधिक हवाई मार्ग चालू हो चुके हैं. अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार होने के नाते, भारत के, खासकर अहमदाबाद जैसी दिल दहला देने वाली दुर्घटनाओं के बाद, हर पहलू में बहुत अधिक सावधान रहने और तकनीकी रूप से मजबूत होने की जरूरत है. यद्यपि दो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां अपने-अपने अंकेक्षण से संतुष्ट हैं - एफएए ने 2021 में भारत को श्रेणी 1 में रखा था - 'अहमदाबाद' हमें अधिक सतर्क रहने की याद दिलाता है; किसी भी मानव-जनित या मशीन से संबंधित दोषों को खारिज करते हुए सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करवाना होगा. इतना कहने के बाद, यह हम सभी के लिए सैकड़ों पायलटों, चालक दल, ग्राउंड स्टाफ, एयरोनॉटिक्स इंजीनियरों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) आदि में काम करने वाले लोगों का मनोबल बढ़ाने का भी समय है. आखिर पायलट भी इंसान ही हैं! हमेशा मुस्कुराती रहने वाली हवाई सुंदरियां, पायलटों की तरह ही लगभग हर रोज अपनी जान जोखिम में डालती हैं. अगर यात्रियों को किसी दुर्घटना का डर है, तो पायलट और चालक दल हर समय कहीं ज्यादा तनावपूर्ण परिस्थितियों में उड़ते रहते हैं. क्या हम कल्पना कर सकते हैं कि मे-डे कॉल के बाद कैप्टन सुमित सभरवाल के दिमाग में क्या चल रहा होगा? 'अहमदाबाद' के बाद अब पायलटों और चालक दल पर अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक दबाव कतई नहीं डालना चाहिए. सरकारी और निजी एयरलाइनों को और अधिक प्रयास करने चाहिए ताकि तकनीकी रूप से विमान किसी भी दुर्घटना के प्रति पूरी तरह सुरक्षित रहें. पायलटों और चालक दल को पूरी तरह से तनावमुक्त व खुश रखना आज की अहम जरूरत है.

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, कार्यस्थल पर गर्मी: सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हत्यारा है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रहा है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं। इस धधकते, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है। थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईडब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी जिले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं। लेबरिंग थ्रू द क्लाइमेट क्राइसिस नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स कलेक्टिव फॉर

क्लाइमेट जस्टिस - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्प्रेचर इरोड ह्यूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नींद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है। गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेट-द इम्पैक्ट ऑफ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं। विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए, तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने अपनी नई रिपोर्ट 'इंश्योरिंग सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क इन चेंजिंग क्लाइमेट' में भी की है। रिपोर्ट का कहना है कि अपने जीवन में काम के दौरान किसी न किसी मोड़ पर 241 करोड़ श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसका मतलब है कि दुनिया के 71 फीसदी श्रमिक या तो बढ़ते तापमान की वजह से गर्मी की मार झेल रहे हैं या उन्हें अपने काम के दौरान कभी न कभी इसका सामना करना पड़ेगा। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम करने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं।

जब शब्द खोते हैं शालीनता, सभ्यता बन जाती है खोखली

प्रभुनाथ शुक्ल

भाषा हमारी शालीनता और व्यक्तित्व की परिभाषा है। भाषा हमारी संस्कृति, संस्कार और उन्नति की मूल है। भाषा हमारा सौंदर्यबोध है। मानव सभ्यता के विकास में भाषा का अमूल्य योगदान है। जिस तरह एक बुरी संस्कृति एक सभ्य समाज का निर्माण नहीं कर सकती, उसी तरह एक असंयमित भाषा भी हमारी सभ्यता को गहरे गर्त में धकेलती है। एक अच्छी भाषा हमारा संस्कार होती है। जिस तरह हमें जीने के लिए वायु की जरूरत होती है, उसी तरह जीवन की गतिशीलता और सार्वभौमिक विकास के लिए अच्छी भाषा की आवश्यकता होती है। हमारे पास दुनिया की समस्त आधुनिक सुविधाएं भले हों, लेकिन भाषा के अभाव में जीवन दर्शन बेमतलब है। राष्ट्र के निर्माण के लिए एक संस्कारित भाषा का होना आवश्यक है। भाषा हमारे व्यक्तित्व का दर्पण है। जब हम ओजपूर्ण शैली में बोलते हैं, तो हमारी भाषा हमारे व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाती है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने भाषा को संस्कृति और समाज का दर्पण माना। भाषा में शालीनता और शिष्टता समाज के नैतिक मूल्यों को दर्शाती है। उनके अनुसार, भाषा का प्रयोग ऐसा होना चाहिए जो विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त करे, लेकिन साथ ही वह दूसरों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता को बनाए रखे। प्राचीन भारतीय दार्शनिक पाणिनि भर्तृहरि ने संस्कृत व्याकरण और दर्शन में भाषा को विश्व की समझ और आध्यात्मिक चेतना का माध्यम माना। भर्तृहरि ने शब्दब्रह्म सिद्धांत में कहा कि भाषा और चेतना अभिन्न है। विदेशी विद्वान विल्हेम वान हम्बोल्ट ने भाषा को केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि मानव विचार और संस्कृति की रचनात्मक अभिव्यक्ति माना। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भाषा एक अनूठा विश्व दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यानी वैश्विक विकास और सभ्यता के मूल में भाषा है। भाषा सिर्फ संचार या संवाद का माध्यम नहीं है। यह हमारी संस्कृति और समाज का आधार है। भाषा यह साबित करती है कि हमारी सभ्यता, संस्कार और सामाजिक विकास एवं इतिहास की जड़ें कितनी गहरी हैं। हम शालीन भाषा से समाज में अपना संदेश मजबूती से पहुंचा सकते हैं। दुनिया में अनगिनत कबिलाई समूह हैं, लेकिन उनकी भाषा वैसी नहीं होती है। हम अपने को आधुनिक और सभ्य भले कह लें,

लेकिन जब तक हमारे पास शालीन भाषा नहीं होगी, हमारे सभ्य कहलाने का सफर बाकी रहेगा। भूमंडलीकरण के दौर में जहां हमारी भाषा समृद्ध और सशक्त हुई, वहीं उससे कई गुना उसका पतन हुआ है। हमने भाषा को लेकर अपना संयम और चरित्र खोया है। हम चांद पर भले पहुंच गए हैं] लेकिन उससे कहीं अधिक गहराई में भाषा को लेकर हम इस हद तक कमजोर हुए हैं कि हमारे पास उसे मापने के लिए कोई पैमाना नहीं है। चिंता इस बात की है कि किसका स्तर नीचे होता चला जा रहा है, भाषा का या हमारा, भाषा सकाम कर्म नहीं कर सकती। वह निर्जीव होते हुए भी सजीव है। वह हमारी मार्गदर्शक है। भाषा का कोई रूप, रंग, गंध और स्वाद-स्पर्श नहीं है, लेकिन इसके बाद भी वह समस्त रूपों में विद्यमान है। जिस तरह हम ठोस स्वर्ण को आभूषणों के विभिन्न रंग में ढाल देते हैं और वह हमारा सौंदर्य बन जाता है। ठीक उसी प्रकार हमारी भाषा है। इंटरनेट पर कई मंचों के उदय के बाद हमारी भाषा में भदेसपन बढ़ा है। हमने वैचारिकता और जय-पराजय के चौसर पर भाषा को महत्व देना बंद कर दिया है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया ने आग में घी का काम किया है। हम भाषा को लगातार अपमानित कर रहे हैं। जबकि सच बात यह है कि भाषा कमजोर नहीं हो रही, हमारा खोखलापन सामने आ रहा है। विशिष्टता की होड़ में हमने अपनी शिष्टता को दांव पर लगा दिया है। भाषा हमारी रीढ़ है। यह हमारी शालीनता, सभ्यता, संस्कार, नैतिकता, एकता और अखंडता है। अगर किसी की भाषा मर्यादित है तो निश्चित रूप से उसका जीवन संयमित है। भाषा ही हमारे आदर्श की लक्ष्मण रेखा है। यह सोचने की बात है कि अगर हमारे पास एक सभ्य भाषा की मिठास नहीं होगी, तो क्या हम एक सौहार्दपूर्ण समाज की स्थापना कर पाएंगे। भाषा में वह ताकत है।

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है। संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं। विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

अनदेखी के चलते अब जानलेवा हुई बदहाल यातायात व्यवस्था

कांग्रेस नेता कमलेश सोनी लाला ने हादसों के लिए प्रशासन को बताया जिम्मेदार

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर की यातायात व्यवस्था दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। शहर की सड़कों पर जाम, अनियंत्रित वाहन संचालन, गलत पार्किंग, सड़कों की खराब स्थिति और ट्रैफिक नियमों के प्रति प्रशासन की उदासीनता से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि अब खराब यातायात व्यवस्था जानलेवा भी हो रही है। पिछले दिनों एक बहन को सड़क पर अपनी जान गंवानी पड़ी।

यह बात कांग्रेस नेता श्री कमलेश सोनी लाला ने कही। लाला ने कहा कि शहर में ट्रैफिक जाम आम बात हो गई है, अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग ने भी समस्या को और विकराल बना दिया है। इसके बावजूद प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है और यातायात सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। लाला ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही और ट्रैफिक सिग्नलों की कमी के चलते दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। सड़क किनारे लगे अवैध ठेले-गुमटियां न सिर्फ यातायात में बाधा डाल रहे हैं, बल्कि पैदल यात्रियों के लिए भी खतरा बन चुके हैं। उन्होंने मांग की है कि शहर में प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन लागू किया जाए। अनियंत्रित वाहनों पर लगाम कसने के लिए सख्त नियम बनाए जाएं। प्रमुख चौराहों और व्यस्त सड़कों पर ट्रैफिक सिग्नल और पुलिस बल बढ़ाया जाए। अवैध अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू किया जाए और सड़कों की मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त बनाया जाए। श्री लाला ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए यदि कदम नहीं उठाए गए तो जनता को आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा!

रतलाम में रीजनल इंडस्ट्रीज स्किल्ड एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव 27 को

मुख्यमंत्री यादव करेंगे नीमच के सगराना फर्नीचर कलस्टर का वर्चुअल भूमिपूजन

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। रीजनल इण्डस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट (RISE) कॉनक्लेव का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में 27 जून 2025 को रतलाम जिले में किया जा रहा है। कॉनक्लेव का उद्देश्य प्रदेश में औद्योगिक विकास, एमएसएमई नीति और रोजगार सृजन पर चर्चा करना है। इस कॉनक्लेव में प्रदेश में निवेश करने वाले निवेशको से चर्चा की जाएगी। यह कॉनक्लेव युवाओं को स्वरोजगार व कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर बनाएंगा। कार्यक्रम में लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण पत्र तथा औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन आदेश एवं आशय पत्र भी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा प्रदान किए जायेगे साथ ही स्वरोजगार योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की सफलताओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जायेगा। नीमच जिले से भी रतलाम के आयोजन में लगभग 200 उद्यमियों एवं स्वरोजगार योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा फर्नीचर क्लस्टर सगराना तहसील नीमच नगर का वर्चुअल भूमिपूजन किया जायेगा तथा औद्योगिक क्षेत्र मौरका में अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के उद्यमियों को भूखण्ड आवंटन हेतु आशय पत्र एवं आवंटन आदेश प्रदान किए जायेगे। उक्त आयोजन से क्षेत्र में एमएसएमई एवं उद्योगों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। जिला स्तर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण एवं स्वरोजगार सम्मेलन आयुष भवन कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रात: 10.30 बजे से किया जायेगा। रतलाम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए नीमच जिले से इच्छुक व्यक्ति जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नीमच, औद्योगिक क्षेत्र नीमच में संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। यह जानकारी महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने दी।

वैश्य परिवारों को आपस में जोड़ने का कार्य किया उमाशंकर गुप्ता ने

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता का जन्मदिन मंदसौर जिला इकाई के तत्वाधान में सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए जिला चिकित्सालय मंदसौर में मरीजो को फल एवं बिस्किट वितरित किये गए तथा गोपालकृष्ण गौशाला में गौमाता को हरे चारे एवं गुड़ का आहार करवाया गया। वैश्य महासम्मेलन मंदसौर इकाई के जिला प्रभारी नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश में वैश्य समाज को मजबूती एवं एकजुटता के साथ खड़ा करने में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता की अहम भूमिका है। श्री गुप्ता के नेतृत्व में संपूर्ण प्रदेश में गांव गांव में वैश्य बन्धुओ को आपस में जोड़कर उन्हें वैश्य महासम्मेलन संगठन की सदस्यता दी जा रही है। जिलाध्यक्ष जगदीश चन्द्र चौधरी ने कहा कि वैश्य समाज निरंतर जरूरतमंद और दीन दुखियों की सेवा करने हेतु जुटा हुआ है। वैश्य बन्धुओ के प्रत्येक सुख-दुख में वैश्य समाज का व्यक्ति सहभागी बनता है। वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई के संभाग प्रभारी कपिल भण्डारी ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन सभी वैश्य बन्धुओ को निरंतर एकजुट करने हेतु जुटा हुआ है विशेषकर युवा इकाई रक्तदान के क्षेत्र में जिले में अच्छा कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल क्रांति...

सिंचाई का रकबा बढ़ने के साथ ग्रामीणों की बढ़ेगी आय

प्रदेश में पहली बार एआई, सिपरी और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग, 2334.55 करोड़ रुपये की लागत से मनरेगा से हो रहा जल संरचनाओं का निर्माण कार्य

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को मजबूती देने के साथ ही प्रकृति, पर्यावरण, जल संरक्षण की दिशा में देश भर में चलाए जा रहे अभियान को मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल क्रांति हो रही है। इस क्रांति के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा खेत तालाब, अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज बनाए जा रहे हैं। इन कार्यों सें प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, साथ ही भू-जल स्तर में भी सुधार होगा और ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा।

मनरेगा परिषद द्वारा जनवरी–फरवरी माह में ही शुरू कर दी गई थी तैयारी, प्लानर सॉफ्टवेयर से बनाई कार्ययोजना–बारिश के पानी का संचयन बड़े स्तर पर किया जा सके, इसके लिए मनरेगा परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू होने के तीन माह पहले जनवरी से ही तैयारी प्रारंभ कर दी गई थी। इसके लिए परिषद द्वारा प्लानर सॉफ्टवेयर तैयार कराया गया जिसमें कम से कम प्रविष्टिकरते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर योजना को अंतिम रूप दिया जा सके। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत लिए जाने वाले नवीन कार्यों र्को इस प्लान में शामिल किया गया। इसके अलावा पिछले वर्ष के प्रगतिरत कार्यों र्को पूरा करने के लिए उन कार्यों र्को भी कार्ययोजना में जोड़ा गया गया। प्लानर सॉफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य था मनरेगा के उद्देश्यों एवं प्रावधानों का पालन कराते हुए कार्ययोजना को आसान तरीके से बनाया जाना। परिषद द्वारा साफ्टवेयर के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर कराए जाने वाले कार्यों र्की वार्षिक कार्ययोजना तैयार कराई। खास बात यह रही कि मध्यप्रदेश इस तरह का नवाचार करने वाला देश का पहला राज्य भी है।

सिपरी सॉफ्टवेयर से किया स्थल का चयन–तकनीक के साथ बारिश के पानी को संचय किया जा सके, साथ ही नई जल संरचनाओं के निर्माण के लिए स्थल चयन में भी आसानी हो, इसके लिए मनरेगा परिषद द्वारा सिपरी सॉफ्टवेयर बनाया गया। यह सॉफ्टवेयर (सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटीफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर) एक उन्नत तकनीक का साफ्टवेयर है, जिसे महात्मा गांधी नरेगा, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल द्वारा MPSEDC और इसरो के सहयोग से तैयार कराया गया है। इस साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। इसके अलावा यह भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से जल सरंचना स्थलों के चयन को अधिक सटीक बनाता है।

पारदर्शिता व नियमित मॉनिटरिंग के लिए बनाया गया डैशबोर्ड–जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा योजना के तहत होने वाले कार्यों र्की पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही नियमित तौर पर इसकी मॉनिटरिंग भी की जा सके, इसके लिए परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का डैशबोर्ड बनाया गया। डैशबोर्ड के माध्यम के प्रत्येक जिले में क्या-क्या कार्य हो रहे हैं उसकी राशि कितनी है। यह सब आसानी से https://dashboard. nregsmp.org/report_jsm देखा जा सकता है। साथ ही कार्यों र्की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रत्येक सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट भी कलेक्टर को उपलब्ध कराई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए बनाए गए डैशबोर्ड को नियमित 1 लाख 27 हजार से अधिक लोग देख भी रहे हैं।

30 मार्च से शुरू हुआ था जल गंगा संवर्धन अभियान–प्रदेश में बारिश के पानी का संचयन करने और पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत हुई थी। इसका समापन 30 जून को खंडवा में होगा। 90 दिन तक चलने वाले इस अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी।

82 हजार 310 खेत तालाब, 1 हजार 283 अमृत सरोवर, 1 लाख 3 हजार कुओं में बनाया जा रहा रिचार्ज पिट–प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में 77 हजार 940 खेत तालाब, 1 लाख 3 हजार 900 डगवेल रिचार्ज और 992 अमृत सरोवर बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था। इसे समय रहते पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में 21 जून की स्थिति में 82 हजार 310 खेत तालाब, 1 हजार 283 अमृत सरोवर और 1 लाख 3 हजार कुओं में रिजार्च पिट (डगवेल रिचार्ज विधि) बनाने का काम चल रहा है। इसके अलावा 19 हजार 949 पुराने कार्य भी पूरे किए गए हैं। जबकि, जल गंगा संवर्धन अभियान को पूरा होने में एक सप्ताह का समय शेष है। यह सभी कार्य मनरेगा योजना से कराए जा रहे हैं, जिसमें 2334 करोड रुपये खर्च की जा रही है।

2 लाख 30 हजार से अधिक जल दूतों ने कराया पंजीयन–प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोग जागरूक हों, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 62 हजार 400 जल दूत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह लक्ष्य भी निर्धारित लक्ष्य से अधिक हो गया है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 30 हजार से अधिक जलदूतों ने पंजीयन कराया है।

कालिदास प्रसंग का दो दिवसीय आयोजन कल से

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में होगा शुभारंभ

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। मप्र संस्कृति परिषद और कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के तत्वावधान में जिला प्रशासन के सहयोग से 26 ओर 27 जून को मंदसौर के कॉलेज परिसर स्थित ऑडिटोरियम में कालिदास प्रसंग का आयोजन होने जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द दत्तात्रेय गंधे ने बताया कि 26 जून को प्रात: 8:30 बजे भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर में कलश पूजा की जाएगी। फिर महावीर मार्ग तिराहे से एक चल समारोह के रूप में कार्यक्रम स्थल पर कलश ले जा कर स्थापना की जाएगी। तत्पश्चात 10:30 बजे प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ कालिदास प्रसंग के शुभारंभ की विधि होगी जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा सम्मिलित होंगे अध्यक्षता सांसद सुधीर गुप्ता करेंगे विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर तथा विशेष अतिथि के रूप में विधायक विपिन जैन व नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इस आयोजन में अतिथियों के हाथों विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित श्लोक पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता के तीन तीन विजेता विद्यार्थियों को तथा दस दस प्रोत्साहन पुरस्कार ओर सभी सहभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। सायंकाल 7:00 बजे सांस्कृतिक मंच पर मालवा की लोक परम्परा माच शैली में मेघदूतम लोक नाट्य प्रस्तुति उज्जैन के कलाकार प्रस्तुत करेंगे श्री मती कृष्णा वर्मा उज्जैन होंगी। साथ ही मंदसौर नगर की स्थानीय प्रतिभाओं द्वारा संस्कृति के विविध रंग आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। दूसरे दिन 27 जून को प्रात: 11 भी बजे परिसंवाद का आयोजन होगा जिसमें 'कालिदास के साहित्य में लोकमंगल' विषय पर विद्वान वक्तागण डॉ. रघुवीर प्रसाद गोस्वामी भोपाल, डॉ. जे एन त्रिपाठी भोपाल ओर डॉ. किरण आर्या सागर के व्याख्यान होंगे अध्यक्षता मंदसौर के प्रसिद्ध इतिहास कार कैलाश चंद्र पांडेय करेंगे। दोपहर साढ़े 12.30 बजे समापन समारोह पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य में होगा अध्यक्षता कृषि वैज्ञानिक नरेन्द्र सिंह सिपानी करेंगे समापन समारोह में शिक्षक/संस्था प्रमुख सम्मान प्रतियोगिता प्रोत्साहन पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किए जाएंगे। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार बारोड स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी संरक्षक डॉ. घनश्याम बटवाल, तथा आयोजन समिति के सर्वश्री नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, कन्हैया देशमुख, नरेंद्र अग्रवाल, वेद मिश्रा, गायत्री प्रसाद शर्मा, प्रदीप भाटी, लोकेश पालीवाल, श्री मती अर्चना दवे, प्रो. अनिल कुमार आर्य, महेश कुमार त्रिवेदी, जयेश नागर, हरीश दवे, बंशीलाल टांक, सत्येंद्र सिंह सोम, अजीजुल्लाह खान खालिद आदि ने नगर व अंचल के समस्त साहित्य व कला प्रेमियों से दोनों दिवस सभी आयोजनों में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है।

ऐसे हुई शुरुवात मंदसौर में कालिदास प्रंसग की–मंदसौर नगर का गौरवशाली इतिहास प्राचीन दशपुर के रूप में अनेक अभिग्रंथों में उल्लेखित है। कविकुलगुरु महाकवि कालिदास का जन्म और कार्य काल लगभग 3 हजार वर्ष प्राचीन है। महाकवि ने अपने ग्रंथ मेघदूत में दशपुर, अष्टमूर्ति ओर शिवना का उल्लेख किया है। नगर के विद्वानों ने लगभग 80 वर्ष पूर्व नगर में कालिदास जयंती मनाने की परंपरा शुरू की थी। मान्यता यह भी है कि कालिदास का जन्म मंदसौर के खिलचीपुरा में हुआ था। वर्ष 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगर वासियों की मांग पर मंदसौर नगर को पवित्र नगरी घोषित किया था इस उपलक्ष में तत्कालीन विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया की पहल पर मंदसौर के गणमान्य नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल भोपाल गया और वहां मुख्यमंत्री निवास के सभागार में मंदसौर को पवित्र नगरी घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान का सम्मान किया गया। इस कार्यकम का संचालन करते हुए समाज सेवी व पत्रकार ब्रजेश जोशी ने मंदसौर में कालिदास समारोह शासन स्तर पर आयोजित करने की मांग रखी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तत्काल स्वीकृति दी और समारोह में उपस्थित तत्कालीन संस्कृति सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव जो मंदसौर कलेक्टर भी रहे उन्हें मंदसौर में दो दिवसीय कालिदास समारोह शासन स्तर पर आयोजित किए जाने हेतु प्राक्कलन तैयार करने निर्देशित किया। तत्कालीन विधायक श्री सिसोदिया ने लगातार पत्राचार कर फॉलोअप किया और मंदसौर में कालिदास प्रसंग प्रतिवर्ष आयोजित होने लगा। यह 11वां आयोजन है।

रजि. प्रेस क्लब अध्यक्ष के जन्मदिन से शुरू किया पौधारोपण कार्यक्रम

मनासा, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर के रजि. प्रेस क्लब के वरिष्ठसदस्य एवं पुर्व अध्यक्ष संजय व्यास ने प्रेस क्लब अध्यक्ष रामधन विजयवर्गीय के जन्मदिन पर सभी सदस्यों के सामने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत करने का निर्णय लिया और यह तय किया की हर सदस्य के जन्मदिन पर पर एक पौधा लगाया जावेगा सभी सदस्यों ने एक मत होकर एक पौधा मां के नाम पर सहमति व्यक्त की। रविवार को प्रेस क्लब अध्यक्ष रामधन विजयवर्गीय के जन्मदिन पर इसकी शुरुआत की गई व पहला वृक्षारोपण मां के नाम से राम तलाई पर किया गया इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष के साथ ही सचिव भरत कनेरिया, संजय व्यास, यशवंत राठोर (जस्सू) भाई, कैलाश सोडानी, कुंजबिहारी कुशवाह, धर्मेन्द्र पाटीदार, सुरेश कुमावत, दिलीप बोराना, मनीष जोलान्या, हेमंत शर्मा, नरेंद्र कुशवाह, नमन यती, विषेश रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम के सभी मौजूद थे कुछ सदस्यों के बाहर रहते हुए भी उन्होंने विडियो कालिंग के जरिए इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। एक नई शुरुआत पर सभी सदस्यों ने एक दूसरे को बधाई दी। एवं पुर्व अध्यक्ष संजय व्यास का सभी सदस्यों ने आभार व्यक्त किया, जिन्होंने नई शुरुआत करवाई।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में106 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 106 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। इस अवसर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, डॉ.ममता खेंड़े, डिप्टी कलेक्टर्स डॉ.रश्मि श्रीवास्तव, सुश्री मयूरी जोक, सुश्री किरण आंजना सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्वालटोली की रूपाबाई, धनेरियाकलां के विष्णुी नायक, राजु, कनावटी की शक्कीबाई, धारड़ी की कृष्णादेवी, सुंदर डागर, नीमच सिटी के अंशुमानसिह, कंर्जाडा गरवाडा की कमलाबाई, शास्त्री नगर भीलवाड़ा के अब्दुल सलाम, मालखेड़ा के गिरधारी बंजारा, थड़ोली केरामलाल तेली, कंजार्ड़ा के दीपक पटवा, भदाना की नीलु मेघवाल, खातीखेड़ा के सुखलाल ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह झालरी के सुरेश गुर्जर, जमालपुरा के असलम बेग, खजुरिया के रामचंद्र, साल्याखेड़ी के आजादसिह आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अवैध मांस मछली के व्यापारी कर रहे है महादेव नगरी की पवित्रता को भंग

सरदार कुणाल श्रीवास्तव ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर मांस-मछली की दुकानों को नगर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी सरदार कुणाल श्रीवास्तव ने 24 जून, मंगलवार को जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के नाम एक आवेदन अपर कलेक्टर को लेकर भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर की नगरी मंदसौर से मांस-मछली की दुकानों को हटाकर मंदसौर नगर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की।

सरदार कुणाल श्रीवास्तव द्वारा दिये आवेद में कहा कि मंदसौर जो भगवान पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी है, इसी को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने मंदसौर नगर में शराब बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबंध लगा दिया है लेकि शराबबंदी के साथ-साथ मांस, मटन, मछली आदि का व्यापार धड़ल्ले से चालू है जिससे पवित्र नगरी पर इन नानवेज पदार्थों र्क अवैध से रूप से विक्रय धार्मिक नगरी की पवित्रता को भंग कर रहा है। इन दुकानों के धड़ल्ले से चलने के कारण नागरिकों की धार्मिक भावनाएँ भी आहत हो रही हैं। यहां यह भी देखने में आ रहा है कि कई ऐसे व्यापारी भी है जो बिना लाइसेंस के खुले आम अपनी दुकानों पर मांस, मछली का व्यापार कर रहे है। यहां पर उनके द्वारा स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखा जा रहा है जो कभी भी गंभीर घटना को बुलावा दे सकता है। मंदसौर के पवित्र व प्रसिद्ध स्थल भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंच मार्ग पर सर्वाधिक नॉनवेज दुकाने संचालित हो रही है। इस मार्ग से दर्शनार्थी मंदिर पहुंचते है। सावन मास में कावड़ा यात्री आते है। भगवान श्री पशुपतिनाथ की विशाल शाही सवारी भी इसी मार्ग से निकलती है बावजूद इसके धानमण्डी से लेकर पशुपतिनाथ की नवीन पुलिया तक कई नॉनवेज की दुकाने संचालित हो रही है। यहां भी असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी रहता है तथा यहां पर अवैध रूप से शराब भी विक्रय होती है इस बाबत् कई बार नागरिकों ने इनको हटाने के लिये आवेदन भी दिये गये है। लेकिन अभी तक इनको नहीं हटाया गया है। अत: यहां से इन नॉनवेज व्यापारियो को हटाया जाये तथा अवैध रूप से संचालित दुकानों पर कार्यवाही की जाये।

श्रीवास्तव ने कहा कि दूसरी और कैलाश मार्ग से कोर्ट रोड होते हुए भी श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचने का मार्ग स्थित है। इस मार्ग से भी बाहर से आने वाले श्रद्धालु व कावड़ यात्री मंदिर पहुंचते है। यहां भी मछली मार्केट संचालित होता है। यहां पर मंदसौर शहर सहित बाहर से भी बड़ी संख्या में व्यापारी आकर मछली का क्रय-विक्रय करते है। अनेक व्यापारी ऐसे भी है जिनके पास मछली व्यापार का लायसेंस नहीं है। लेकिन लाखों रूपयों की चोरी की मछलियों का यहां व्यापार होता है। यहां से खुलेआम मछलिया को क्रय कर रात्रि में बसों द्वारा व निजी वाहनों व ट्रेनों के माध्यम से यह मछलिया अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। मछलियों का अवैध रूप से कारोबारी कई बार झगड़ा कर मंदसौर का वातावरण भी खराब कर चुके है तथा खूनखराबा भी हो चुका है। अत: इन पर सख्ती से रोक लगाई जाए। तथा कैलाश मार्ग स्थित मछली मार्केट के बाहर रोड पर कई बार मरी हुई मछलियां भी पड़ी होती है तथा इस क्षेत्र में भयंकर बदबू भी आती है। जिससे भी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। अत: यहां से मछली बाजार हटाया जाये तथा अवैध व्यापार करने वालों पर कार्यवाही की जाये। श्रीवास्तव ने कलेक्टर से मांग की कि जनहित में इस विषय पर त्वरित संज्ञान लेते हुए, नगर में मांस-मछली की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी करें तथा मांस मछली की दुकानों व मछली मार्केट को शहर से बाहर स्थानांतरित करने तथा अवैध व्यापारियों पर कार्यवाही का आदेश प्रदान करे।

एक जुलाई से बढ़ने जा रहा है ट्रेन का किराया, हर एक किमी पर 1 पैसा लगेगा चार्ज

नई दिल्ली, 24 जून। रेलवे ने कई सालों बाद ट्रेन टिकटों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है। ये नई दरें 1 जुलाई 2025 से लागू होंगी। जानकारी के मुताबिक, नॉन-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में अब किराया 1 पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ेगा, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 2 पैसे प्रति किलोमीटर होगी।

यह बढ़ोतरी भले ही छोटी लगे, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर थोड़ा असर डाल सकती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई यात्री मुंबई से दिल्ली (1400 किलोमीटर) नॉन-एसी ट्रेन से सफर करता है, तो उसे 14 रुपये ज्यादा देने होंगे, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 28 रुपये की होगी। रेलवे का कहना है कि यह बदलाव रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। रोजमर्रा या नजदीकी सफर करने वाले यात्रियों पर इसका असर नहीं पड़ेगा। 500 किलोमीटर तक की यात्रा करने वालों को किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं झेलनी पड़ेगी। हालांकि, 500 किलोमीटर से ज्यादा यात्रा करने पर बढ़ा हुआ किराया लागू होगा। सेकंड क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों को भी 500 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आधा पैसा प्रति किलोमीटर अतिरिक्त देना होगा।

महिला स्वयं सहायता समूह महासंघ ने ज्ञापन सौंपा

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रांतीय महिला स्वयं सहायता समूह महासंघ मध्य प्रदेश के तत्वाधान में मंगलवार दोपहर 1 बजे महिलाओं द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मध्य प्रदेश के नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में प्रस्तावित मैकेनाइज्ड केंद्रीकृत किचन स्थापना के विरोध में मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सोपा। हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी आदेश अनुसार नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में मैकेनाइज्ड केंद्रीकृत किचन की स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।इस व्यवस्था के अंतर्गत जहां पूर्व से केंद्रीकृत किचन नहीं है वहां शालाओं में मैपिंग भवन चिन्हांकन तथा एजेंसी निविदा प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्रांतीय महिला स्वयं सहायता समूह महासंघ इस निर्णय का विरोध करता है और इसे निम्नलिखित आधारों पर महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रतिकूल मानता है। प्रदेश की हजारों सरकारी शालाओं में कार्यरत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मध्यान भोजन योजना के माध्यम से अपनी आजीविका चला रही है।केंद्रीय मैकेनाइज्ड किचन के आने से यह महिलाएं बेरोजगार हो जाएगी।

पांच व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि, खाद्य आपूर्ति विभाग के सयुंक्त दल द्वारा ग्राम डीगांव माली में 03 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच करते हुए 08 नग घरेलू गैस सिलेंडर एंव सीतामऊफाटक मंदसौर से 02 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से 04 नग घरेलू गैस सिलेंडर का कुल 12 नग घरेलू गैस सिलेंडर बिना दस्तावेज व्यवसायिक उपयोग करने के कारण कारण दृविकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 की धाराओं के तहत आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में प्रकरण दर्ज किया गया।

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर की दानपेटियों से निकली 5 लाख 66 हजार से अधिक दानराशि

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम लदूसा स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) के मंदिर की दिव्यता दिन प्रतिदिन अंचल में नहीं पूरे देश में प्रसारित हो रही है। यहां पर हर चौदस पर खुलने वाले दानपेटियों से नगद राशी के साथ-साथ चैक एवं विदेशी मुद्राएं भी प्राप्त हो रही है। इस बार कृष्ण पक्ष की चौदस 24 जून मंगलवार को मंदिर की दानपेटियों से 5 लाख 66 हजार 284 रू. की राशि प्राप्त हुई जिसे मंदिर समिति के बैंक खाते में जमा करवाया गया। उक्त जानकारी देते हुए मंदिर ट्रस्ट के महेश व्यास लदूसा ने बताया कि मंदिर समिति व ग्राम लदूसा के वासी मंदिर आने वाले भक्तों की सुविधा का विशेष ध्यान रख रहे है। मंदिर को आकर्षक रूप से बनाया गया है। वहीं हर अमावस्या को महाआरती का आयोजन भी होता है। इस बार 25 जून, बुधवार को अमावस्या के दिन आयोजित महाआरती के लाभार्थी श्री नारायण पिता बद्रीलाल धाकड़ गांव बड़वन रहेंगे। मंदिर समिति ने सभी सभी भक्तजनों से आग्रह किया है मंदिर उपस्थित होकर दर्शनलाभ व महाआरती लाभ लेवे।

सम्पूर्ण ब्रह्मांड एक लय में योगमय है-कवि संदीप कपूर

मैन ऑफ़ टाइम ने किया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग दर्शन

मनासा, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। मैन ऑफ़ टाइम-विश्व.सुरक्षा अभियान..अंतर्राष्ट्रीय सदभावना मंच के तत्वावधान में 142 वाँ आयोजन : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह-2025 सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कार्यक्रम : योग दर्शन : सेमिनार-कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह संस्थापक-अध्यक्ष कवि संदीप कपूर वक्तनाम की अध्यक्षता में किया गया। प्रेरणा-शक्ति अध्यापिका मंजु कपूर को स्मरण कर उन्होंने 'जय भारत - जय जगत' उदघोष.. गुरु वंदना और योग-गीत से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। वैदिक मंत्रोच्चार चिन्मय वर्मा और अनुकल्प वर्मा ने किया।

कार्यक्रम में विशेष शुभाकांक्षी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यूयॉर्क अमेरिका से डॉ. विजय कुमार मेहता, दिग्दर्शक साहित्यकार कवि वरुण कुमार राय, उदघाटनकर्ता विवेकानंद केंद्र कन्या कुमारी के प्रकल्प संगठक शिवपूजन सिंह, मुख्य अतिथि डॉद्ब- विजय कुमार वर्मा, अति विशिष्ट अतिथि रेल मंत्रालय भारत सरकार एडीआरएम मालदा शिवकुमार प्रसाद, डॉ. नरेंद्र मल्होत्रा आगरा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बांका जिला प्रमुख प्रदीप कुमार झा, विशिष्ट अतिथि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार दूरदर्शन केन्द्र पटना के कार्यक्रम अधिशासी कौशल किशोर मिश्रा, ऑल इंडिया रेडियो आकाशवाणी कोलकाता से ईद्ब- हरेंद्र बहादुर श्रीवास्तव, राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र गुरु एक्सप्रेस के वरिष्ठ पत्रकार ब्यूरो प्रमुख हेमंत शर्मा, महासचिव समाजसेवी संध्या कपूर, संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र नाथ कपूर, अध्यापक ब्रजेश कु. प्रसाद गौरव, ई. अजीत कुमार सिंह, कार्यक्रम निर्देशक डॉ. कृष्णा सिंह, स्वागताध्यक्ष कवि हृदय नारायण सिंह, कार्यक्रम अधिकारी शम्भु शरण शरणागत और राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. तृप्ति कुमारी तान्या ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 पर सभी को शुभकामनाएं दी। योग दर्शन पर सेमिनार में कवि संदीप कपूर वक़्तनाम ने कहा कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड एक लय में योगमय है, किंतु अज्ञान के अंधकार में लोग अपनों से दूर हैं, वर्तमान संक्रमण काल में मानव को मानव से जोड़ना सबसे बड़ा योग है। सम्मान समारोह में कलाकार-प्रबुद्ध कवि-साहित्यकार-पत्रकार और समाजसेवी बंधुओं को उत्कृष्टयोगदान के लिए 'अमृत योग रत्न-2025' प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कवयित्री ब्राह्मी कपूर, कवयित्री विश्वांगी कपूर सहित सभी सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वस्थ रहने का महामंत्र है योग...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मनीषियो ने तन और मन को स्वस्थ रखते हुवे आध्यात्मिक उत्थान की जिस विद्या को विकसित किया आज उसका प्रभाव संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में दिखाई दे रहा हे। भारत में योग को स्वस्थ रहने की लगभग 5000 वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त हे और यह हमारे देश के लोगो की जीवनचर्या का हिस्सा हे। संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में संपूर्ण विश्व को स्वस्थ रहने का मंत्र दे दिया। विश्व के लगभग 200 देशो का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में आना इस बात का संकेत हे की मानव जीवन को स्वस्थ बनाने के लिए योग लाभदायी हे और योग दिवस मनाना वैश्विक हित से जुड़ा हे। आज पूरा विश्व अंतराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 21 जून को इसकी महिमा को प्रणाम कर रहा हे। योग मात्र शारीरिक व्यायाम नही अपितु एक सम्पूर्ण चिकित्सा विज्ञान हे। जीवन दर्शन हे। मनुष्य स्वयं अपना मित्र और शत्रु दोनो होता हे जिसने स्वयं को जीत लिया वह अपना बंधु होता हे अन्यथा व्यक्ति अपने ही शत्रु की तरह व्यवहार करता हे। स्वयं पर विजय की इस यात्रा में चित्त की चंचलता सबसे बडी बाधा हे। चित्त को योग अभ्यास और आध्यात्म से साधा जा सकता हे। योग मन व चित्त की एकाग्रता को बड़ाकर हमारे जीवन को ऊर्जा प्रदान करता हे। भारतीय संस्कृति की इस अनुपम आरोग्य निधि ने आज पूरे विश्व को साझा स्वास्थ्य सूत्रो से जोड़ दिया हे। जब दुनिया वैश्विक महामारी कोविड 19 की चपेट में थी तब दुनियाभर ने माना की रोग प्रतिरोधक क्षमता बड़ाने के लिए दिनचर्या में योग को शामिल किया जाए। एक अध्ययन से पता चला की जिन्होने भी उस समय भारतीय योग को अपनी दैनिक जीवनचर्या का अंग बनाया वे कोरोना संक्रमण को मात देकर सकुशल परिवार के पास लोटे। योग मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य हे। भारत की प्राचीन परम्परा का अमूल्य उपहार हे योग जिससे आज संपूर्ण विश्व चमत्कृत हे। बीते कुछ समय से योग ऐसी वैकल्पिक पद्धति के रूप में उभरा हे जो जीवन को संतुलित, सुखमय और निरोगी बनाती हे। योग को लेकर देश विदेश में पिछले कुछ अरसे में ऐसे शोध हुवे हे जो इसकी महत्ता को सिद्ध करते हे। आज विश्व में माना जाने लगा हे की योग स्वास्थ संरक्षण की एक ऐसी पद्धति हे जो न केवल हमारे जीवन में गुणात्मक सुधार लाती हे वरन हमारी जीवनशैली को बेहतर भी बनाती हे। गलाकाट प्रतिस्पर्धा से अस्त व्यस्त होती दिनचर्या, तनाव और तेजी से गहराते प्रदूषण ने मनुष्य की सेहत को ग्रहण लगा दिया हे। आधुनिकता में जकड़ा मनुष्य मन व देह में संतुलन नही साध पा रहा हे। इन सारी समस्याओ से मुक्ति का कारगार समाधान हे योग। योग को हिंदुत्व से जोड़ना अनावश्यक हे। योग को विवादित बनाने वाले संकीर्णता के दोषी हे। जापान से आया जूडो और चीन से आया कराटे दुनिया भर में लोकप्रिय हे हालांकि इस मार्शल आर्ट का संबंध बौद्ध धर्म से हे लेकिन इन्हे सीखने या जानने के लिए आपको बौद्ध धर्म को जानने व समझने की आवश्यकता नही हे। ये हमे अपनी आत्मरक्षा में सक्षम बनाते हे यही जानना हमारे लिए पर्याप्त हे। ठीक उसी तरह योग हमे स्वस्थ और तनावमुक्त बनाता हे हमे सहज और स्वाभाविक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता हे इतना जानना पर्याप्त हे। विद्या चाहे कन्ही भी उत्पन्न हो अंतत: वह सम्पूर्ण मानवता की थाती बन जाती हे।

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	22	2113	2320
उड़द	20	4020	5500
सोयाबीन	4500	3900	4550
गैहु	5225	2220	2700
चना	136	4800	5487
मसुर	32	5650	6251
धनिया	149	4351	6770
लहसुन	13500	4000	10100
मैथी	530	3300	5200
मुंगफली	1051	3852	5264
अलसी	800	6901	7350
सरसो	130	6000	6452
तारामीरा	1	5200	5200
इसबगोल	70	9000	10700
प्याज	2257	250	1340
कलोंजी	28	15800	19850
तुलसी बीज	6	11799	13881
डॉलर	40	3901	8252
तिल्ली	280	6500	8890
जौ	11	2250	2390
मटरसुखी	10	2501	3480
असालीया	33	6373	6514
चियाबीज	55	11500	14491

तीन दुकानों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली का खाद्यान्न जप्त

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री विजय निनामा एवं श्री जितेन्द्रस नागर कनिष्ठआपूर्ति अधिकारी ने मेसर्स श्री ईश्वरलाल रत्नावत पिता सत्यनारायण रत्नावत निवासी वार्ड क्रं 13, सिनेमा रोड रामपुरा की दुकान से कुल 11.86 क्विंटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का चावल जप्त किया गया हैं। खाद्य विभाग ने मेसर्स श्री रामगोपाल पिता सत्यनारायण रत्नावत निवासी रामपुरा की दुकान से कुल 3.40 क्विंटल चावल, मेसर्स श्री देवीलाल राठौर रामलीला मैदान जावद की दुकान से कुल 2.76 क्विंटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का चावल जप्त कर संबंधितों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया हैं। नीमच जिले के हितग्राहियों से आग्रह किया है, कि उचित मूल्य दुकान से प्राप्त राशन को बेचे नहीं, राशन का स्वयं उपयोग करें।जिले में अवैध रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत शासकीय योजना के चावल को क्रय एवं विक्रय करने वालों पर सतत निगरानी रखी जाकर संबंधितों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल ने मास्टर आफ जर्नलिज्म की उपाधि प्राप्त की

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। वरिष्ठ पत्रकार श्री महावीर प्रकाश अग्रवाल ने पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (मास्टर आफ जर्नलिज्म) की परीक्षा उत्तीर्ण कर मंदसौर जिले की पत्रकारिता के गौरव को बढ़ाया।

आपने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र से पत्रकारिता की पढाई कर यह डिग्री प्राप्त की है। पत्रकारिता के क्षेत्र में स्नातकोत्तर की पढाई कर उत्तीर्ण होने वाले आप मंदसौर जिले के प्रथम पत्रकार हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में महावीर प्रकाश अग्रवाल के अनुभव का लाभ आने वाली पीढी को मिलेगा। इसके पूर्व आपने मंदसौर विश्व विद्यालय से पत्रकारिता में बैचलर ऑफ जर्नलिज्म डिग्री प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। आपने पांच वर्षों तक मंदसौर विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विषय पर बच्चो को पढाया भी है। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल ने पत्रकारिता के क्षेत्र में कई कीर्तिमान रचे है। आपको प्रदेश स्तरीय माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता पुरस्कार 1988 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह के हाथों मिलने वाला सम्मान हिंदी साहित्य के मनीषी एवं देशबंधु के संपादक मायाराम सुरजन ने होशंगाबाद जिले के माखन नगर में प्रदान किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में महावीर प्रकाश अग्रवाल का नाम पूरे देशभर में जाना पहचाना जाता है आपने अनेक राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर की पत्र पत्रिकाओं में लेखन का कार्य किया है। आप पीटीआई, भाषा न्यूज एजेंसी के 45 वर्षों से जिला ब्यूरो चीफ है। साथ ही इतने वर्षों से अधिमान्य पत्रकार हैं। तीन बार संभागीय अधिमान्यता समिति के सदस्य भी रह चुके है। नई दुनिया, नवभारत, कारनिकल, नव ज्योति अजमेर, दैनिक ध्वज के साथ साथ अनेक समाचार पत्रों में आपने कार्य किया। साथ ही दैनिक शांति संदेश का प्रकाशन भी आपके द्वारा किया गया।

स्नेहिजनो और पत्रकार साथियों ने इस उपलब्धि पर बधाई दी

महावीर प्रकाश अग्रवाल को इस उपलब्धि पर वरिष्ठपत्रकार सर्व श्री सुरेंद्र लोढ़ा, मोहन रामचंदानी, विक्रम विद्यार्थी, अशोक झलोया, डॉ घनश्याम बटवाल, वल्लभ फरक्या, जिला जनसम्पर्क अधिकारी ईश्वर सिंह चौहान, ईश्वर रामचंदानी, पुष्पराज सिंह राणा, ब्रजेश जोशी, संजय पोरवाल, नरेंद्र अग्रवाल, कोमलसिंह तोमर, संजय लोढा, आशुतोष नवाल, प्रकाश सिसोदिया, आलोक शर्मा, विकास तिवारी, अभिषेक विद्यार्थी, अजय लोढा, रमाकांत भारद्वाज, अनिल जैन, महेश जैन, डॉ प्रितिपाल राणा, नेमीचंद राठौड़, लोकेश पालीवाल, महावीर जैन, राहुल सोनी, प्रितेश राव, आकाश चौहान, नरेंद्र धनोतिया, मनीष पुरोहित, अजय बड़ोलिया, अब्दुल वाहिद रईस, नीलेश त्रिवेदी, गायत्री शर्मा, हेमन्त शर्मा, विनोद गोड, शाहिद चोधरी, सलमान कुरेशी, चरण राजपाल, संजय भाटी, संदीप शर्मा, रमेश भाटी, नरेंद्र मालू, गोवर्धन सेठिया, बलवंत फाफरिया, संजय वर्मा, दीपक शर्मा, देवेंद्र मोर्य, शादाब चोधरी, किशोर ग्वाला, राजेश कुलश्रेष्ठ, सचिन जैन, कपिल शर्मा, गोविंद पाटीदार, विजयेंद्र फाफरिया, शम्भूसेन राठौड़, जगदीश वसुनिया, पिंटूशर्मा, जितेंद्र शर्मा, सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों एवं स्नेहिजनो ने बधाई दी।

32 से 45 हजार में होगा बीएड, एमबीए

एमटेक, बीसीए, बीबीए की फीस भी तय

भोपाल, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रवेश और फीस विनियामक समिति ने मध्यप्रदेश के 250 इंजीनियरिंग कॉलेजों की फीस तय कर दी है। 40 हजार से लेकर 67 हजार रुपए के बीच फीस तय की गई है। 92 एमबीए कालेजों की फीस भी न्यूनतम 40 हजार और अधिकतम 67 हजार रुपए सालाना होगी। 28 एमटेक कालेजों की फीस 62 हजार रुपए फिक्स की गयी है।

प्रदेश के 500 कालेजों में बीबीए और बीसीए कोर्स चल रहे हैं। इसमें से करीब 250 कालेजों ने फीस निर्धारण का प्रस्ताव फीस कमेटी को भेजा है। ये कॉलेज पहली बार अपनी फीस निर्धारित करा रहे हैं। इनमें से करीब 150 कालेजों ने पिछले साल की बैलेंस शीट फीस कमेटी को नहीं भेजी थी। इनके यहां की फीस का फैसला नहीं हुआ है। प्रवेश और फीस विनियामक समिति ने बीएड की न्यूनतम फीस 32 हजार और अधिकतम फीस 45 हजार रुपए और एलएलबी और बीएएलएलबी की न्यूनतम फीस 23 हजार और अधिकतम फीस 30 हजार रुपए सालाना निर्धारित की है। एलएलएम की न्यूनतम फीस 28 हजार 500 और अधिकतम 45 हजार रुपये सालाना तय की गई है।

डॉ. देव आनंद हिंडोलिया, ओएसडी, फीस कमेटी का कहना है कि सभी बीएड कॉलेजों की फीस तय हो चुकी है। 75 प्रतिशत इंजीनियरिंग कॉलेजों की फीस भी तय हो चुकी है। करीब 50 इंजीनियरिंग कॉलेज बचे हैं, जिनकी फीस तय नहीं हुई है। इन्होंने बैलेंस शीट पेश नहीं किया इसलिए देरी हो रही है। करीब 250 बीबीए और बीसीए कोर्स की फीस तय करने के लिए फिर बैठक होगी।

50 कालेजों की फीस तय नहीं...

वर्तमान स्थिति में भी 50 इंजीनियरिंग कॉलेजों ने अपनी बैलेंस शीट नहीं दी। इससे फीस निर्धारण प्रक्रिया में देरी हो रही है। बैलेंस शीट न देने वाले कॉलेजों पर सख्ती होगी। पुराने डेटा के आधार पर ही उनकी फीस तय होगी। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति को राज्य के 1200 कालेजों की आगामी तीन सत्र 2025-26, 2026-27 और 2027-28 की फीस निर्धारित कराना है। अभी तक करीब 250 इंजीनियरिंग कॉलेज लगभग 103 बीएड और एलएलबी कॉलेजों की फीस तय की जा चुकी है। जिन कॉलेजों ने अपनी बैलेंस शीट जमा नहीं की है उनकी फीस निर्धारित नहीं की जाएगी। वे काउंसलिंग में भी शामिल नहीं हो पाएंगे यहां प्रवेश भी नहीं मिलेगा।

जनसुनवाई में 92 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकुल जैन के द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 92 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंदसौर जिले के डुंगलावदा निवासी आवेदक मंजु पाटीदार ने कृषि भुमि का राजस्व रेकार्ड में नामान्तरण करने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार मल्हारगढ़ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के काचरीयादेव निवासी आवेदक समरथ दमामी ने भुमि पर कब्जे के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार मल्हारगढ़ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के कोटडीमाडा निवासी देवीलाल ने खेत पर जाने के लिए सार्वजनीक रास्ता खोलने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार सितामऊको निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भुमि पर कब्जा व फसल नुकसान, प्रधानमंत्री आवास, अतिक्रमण हटाने, स्वीकृत राशी जमा नहीं होने, जननी सुरक्षा का लाभ न मिलने इत्यादि तरह-तरह के आवेदन आये।

मारपीट के आरोपी को तीन वर्ष का कारावास एवं अर्थदण्ड

मनासा, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अनिल कुमार डंडेलिया द्वारा अपने महत्वपूर्ण फैसले में आरोपी को 3 वर्ष तथा 8000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया। दिनांक 26 /8/ 2019 को आरोपी पन्नालाल पिता नंदलाल सुथार निवासी चुकनी के द्वारा फरियादी ओम प्रकाश पिता मथुरा लाल ब्राह्मण निवासी चुकनी के साथ मारपीट की गई जिस पर से मनासा थाना पर प्रथम सूचना रिपोर्ट क्रमांक 361 / 19 भादवी की धारा 323 ,294 ,506, 504, 342, 325, 307 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध हुआ न्यायालय में विचरण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 7गवाहौ का परीक्षण करवाया गया जिस पर से आरोपी को धारा 342 में 6 महीने का करवासर्ं 1000 जुर्माना धारा 325 में 3 वर्ष का कारावास तथा 8000 जुर्माना से दंडित किया। प्रकरण में शासन की और से पैरवी अपर लोक अभियोजन श्री प्रेमसुख पाटीदार द्वारा की गई।

दशरथ नगर में बलिदान दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जन संघ के संस्थापक भाजपा कार्य कर्ताओं के प्रेरणाय स्त्रोत डॉक्टर श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी का बलिदान दिवस कल वार्ड क्रमांक 6 दशरथ नगर के उद्यान में मनाया गया वार्ड क्रमांक 6 के भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉक्टर मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण हुआ दीप प्रजाल्वित किया गया इसके बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अतिथि गणों के गरिमामय उपस्थिति में उद्यान में पौधारोपण किया इस कार्यक्रम में पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर शासकीय महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने डॉक्टर मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व पौधरोपण भी किया इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद व नगर पालिका सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी वार्ड के प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता गण नितिन जैन भावगढ़ वाला सिद्धार्थ जैन मदन माली सिद्धार्थ पोरवाल पीयूष जैन पान वाला रत्नेश कुदार यशवंत सोलंकी कैलाश चंद्र जोशी भगवान दास चंदवानी दिनेश चंदवानी निरान्त बग्गा मंडल उपाध्यक्ष व पूर्व पार्षद भी उपस्थित थे कार्यक्रम में श्री मदनलालराठौर श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने भी अपने विचार रखें कार्यक्रम का संचालन दिनेश चंदवानी ने किया तथा आभार नरेश चंदवानी ने माना

डिजिटल यूनिवर्सिटी में विद्यार्थी कहीं से भी अटेंड कर सकेंगे क्लास

भोपाल/मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी राजधानी भोपाल में जल्द ही आकार लेना शुरू करेगी। इस विश्वविद्यालय की खासियत यह होगी कि इसमें दाखिला लेने और क्लास अटेंड करने के लिए स्टूडेंट को यूनिवर्सिटी में आने की जरूरत नहीं होगी। वे देश के किसी भी कोने में बैठकर एडमिशन ले सकेंगे और क्लास अटेंड कर सकेंगे। किसी भी कोर्स को पूरा करने के लिए समय की बाध्यता भी नहीं होगी।

साल भी नहीं होगा बर्बाद- डिजिटल यूनिवर्सिटी में छात्र अपनी सुविधानुसार कहीं से भी ऑनलाइन कक्षाएं ले सकेंगे। बीच में पढ़ाई छोड़ने पर स्टूडेंट का साल बर्बाद नहीं होगा। मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की सुविधा होगी। अन्य विश्वविद्यालयों के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन लेने और क्रेडिट की भी सुविधा होगी।

कम समय में पूरा होगा कोर्स- यदि कोई सिलेबस 04 साल का है और स्टूडेंट्स उसे कम समय में पूरा करने में सक्षम है, तब उसे कम अवधि में कोर्स पूरा करने की अनुमति मिलेगी। 04 साल के पाठ्यक्रम को 05 साल में भी करने की अनुमति मिलेगी।

वर्चुअल क्लास लगेगी- यूनिवर्सिटी ऑनलाइन लर्निंग और ओपन डिस्टेंस लर्निंग मोड पर चलेगी। फिजिकल क्लास की जगह वर्चुअल या ऑनलाइन क्लासेस लगेंगी। हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित यूनिवर्सिटी में रोजगार परक पाठ्यक्रम होंगे।

एडवांस कोर्स रहेंगे शामिल- यूनिवर्सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग के साथ इंटरटेन आफ थिंग्स जैसे कुछ कॉन्सेप्ट के साथ एडवांस एजुकेशन सिस्टम के कोर्सेज के अलावा स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड आइटी, फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, डाटा एनालिटिक्स और एनालिटिकल मैथेमेटिक्स, एआई, ब्लाकचैन, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, बायो-कम्प्यूटिंग, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स एंड डिसरप्टिंग कन्वेंशन मॉडल आफ वर्क एंड बिजनेस जैसे कोर्स होंगे।

100 करोड़ की लागत से बनेगी युनिवर्सिटी- उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के अनुसार इस यूनिवर्सिटी के निर्माण में करीब 100 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसे आरजीपीवी परिसर में खोला जाएगा। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी के अनुसार डिजिटल यूनिवर्सिटी पहले श्यामला हिल्स में बननी थी। लेकिन, अब यह आरजीपीवी परिसर में बनेगी। आरजीपीवी ने यूनिवर्सिटी के एक्ट का ड्रॉफ्ट बनाकर भेज दिया है।

आज भाजपा करेगी लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

मीसाबंदियो एवंउनके परिवारजनों के साथ कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय करेंगे पौधारोपण

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर द्वारा आपातकाल स्मृति दिवस 25 जून पर आज मंदसौर स्थित पद्मावती रिसोर्ट पर प्रात: 10 बजे लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) एवं लोकतंत्र प्रहरी परिवारों का स्वागत सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश जी विजयवर्गी और रतलाम जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बजरंग पुरोहित जी के मुख्य अतिथि में आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी के पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबीनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी एंव मीसाबंदी के रूप में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रतलाम बजरंग पुरोहित मीसाबंदी एंव उनके परिवारजनों तथा भाजपा संगठन के पदाधिकारीयों के साथ रेवास देवड़ा मार्ग स्थित भूमि पर वृहद वृक्षारोपण करेगें। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, केबीनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बाबुलाल बंजारा, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायकगण यशपालसिंह सिसोदिया, कैलाश चावला, देवीलाल धाकड़, राधेश्याम पाटीदार, प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, बाबुलाल चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, डॉ.सुषमा आर्य, मुकेश काला, पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की गरीमामय उपस्थिति रहेगी। विशिष्टअतिथि के रूप में जिला लोकतंत्र सेनानी संघ के अध्यक्ष हंसराज कबाड़ी जी उपस्थित रहेगें। संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्माननीय लोकतंत्र सेनानी संघ के सदस्य एवं लोकतंत्र प्रहरी संघ के सदस्य परिवार जन एवंसभी भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता गण, एवं ज्येष्ठश्रेष्ठकार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं मंडल अध्यक्ष गण एवं मोर्चा प्रकोष्ठके सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। उक्तजानकारी जिला भाजपा मीड्यिा प्रभारी निलेश जैन ने दी।

प्राक्कलन समिति के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सांसद गुप्ता ने सहभागिता की

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। प्राक्कलन समिति के कामकाज की गौरवशाली 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संसद और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मुंबई विधानसभा में आयोजित हुआ। जिसमें क्षेत्रिय सांसद सुधीर गुप्ता ने सहभागिता की।

सम्मेलन में प्राक्कलन समिति के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा यह प्लेटिनम जयंती समारोह हमारी संसद और देश की सभी विधायी संस्थाओं के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। यह क्षण न केवल प्राक्कलन समिति की स्वर्णिम विरासत का सम्मान है, बल्कि इसके महत्वपूर्ण योगदान पर चिंतन करने, इसकी भावी दिशा निर्धारित करने तथा लोकतंत्र में निहित जवाबदेही के मूल्यों के उत्सव मनाने का भी अवसर है। इस समिति की परिकल्पना सरकारी व्यय की जांच करने के साथ ही भारत सरकार के सभी विभागों और सार्वजनिक धन के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक निकाय के रूप में की गई थी। लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष श्री जी.वी. मावलंकर की दूरदृष्टिने समिति को वित्तीय अनुशासन की संरक्षक और सुशासन की आधारशिला के रूप में उभरने का समुचित अवसर प्रदान किया। आज जब प्रशासनिक कार्यप्रणाली निरंतर प्रौद्योगिकीय परिवर्तन से गुजर रही है, तब आवश्यक है कि प्राक्कलन समितियाँ भी समयानुकूल नवाचारों को आत्मसात करें। डिजिटल क्रांति, डेटा विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों को अपनाकर हम समितियों की जाँच प्रक्रिया को और अधिक सटीक, प्रमाण आधारित एवं प्रभावशाली बना सकते हैं।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि इस सम्मेलन में हुए विमर्श से अनेक नये विचार और दृष्टिकोण सामने आएंगे, जो न केवल प्राक्कलन समितियों की क्षमता को सुदृढ़ करेंगे, अपितु भविष्य की चुनौतियों से उभरने में भी सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया। प्राक्कलन समिति के सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष महाराष्ट्र राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री प्राक्कलन समिति अध्यक्ष संजय जायसवाल, उप मुख्यमंत्री एकनाथ सिन्धे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं समिति के सदस्य, सांसद गण उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा पैरालीगल वॉलिंटियर्स हेतु आवेदन आमंत्रित

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा आमजन हेतु पैरालीगल वॉलिंटियर्स (PLVs) की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। चयनित पैरा लीगल वॉलिंटियर्स का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच श्रीमती शोभना मीणा ने बताया, कि यह सेवा पूर्णत: नि:स्वार्थ एवं सामाजिक सेवा पर आधारित है, अत: इसके लिए कोई वेतन देय नहीं है।

पात्रता:किसी भी आयु एवं वर्ग के व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आवेदक किसी आपराधिक प्रकरण में संलिप्त न हो, 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। प्राथमिकता प्राप्त समूह:विधि के छात्र (जो अधिवक्ता के रूप में नामांकित न हों)शिक्षक (सेवानिवृत्त शिक्षक भी सम्मिलित)सेवानिवृत्त सरकारी सेवक एवं वरिष्ठनागरिक एमएसडब्ल्यू छात्र एवं शिक्षक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चिकित्सक एनजीओ, क्लब, महिला समूह, मैत्री समूह एवं स्वयं सहायता समूह के सक्रिय सदस्य को प्राथमिकता दी जावेगा।

आवेदन प्रक्रिया: आवेदन पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच एवं जिला न्यायालय परिसर, नीमच के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं।आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर उसमें एक पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की प्रति संलग्न करें। आवेदन पत्र 15 जुलाई 2025, शाम 5:00 बजे तक व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच (म.प्र.) को प्रेषित कर सकते हैं।

चयन प्रक्रिया: पात्र आवेदकों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से दिनांक 12 अगस्त 2025, प्रात: 11:00 बजे, नवीन जिला न्यायालय भवन, नीमच में किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु पृथक से कोई सूचना नहीं दी जाएगी। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच में कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

मास्टर ट्रेनर्स का जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण सोमवार को संयुक्त तहसील कार्यालय भवन, जिला-नीमच के सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ जिसमें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नीमच सहित विधानसभा क्षेत्र मनासा से 4, नीमच से 4 एवं जावद से 8 मास्टर ट्रेनर तथा कुल 6 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री मनोज जैन ने प्रशिक्षण सत्र आरंभ किया गया। श्री जैन ने प्रशिक्षण का सामान्य परिचय देते हुए बीएलओ के सभी दायित्वों के बारे मे जानकारी दी तथा उपस्थित सभी मास्टर ट्रेनरों को आयोग द्वारा प्रदत्त पीपीटी एवं फार्म 6,7 एवं 8 की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई।

प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला-नीमच ने मास्टर ट्रेनरों को मार्गदर्शन दिया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री अक्षयसिंह बावल ने बीएलओ की भूमिका, जिम्मेदारियां व कर्तव्य आदि के साथ फार्म 6, 6ए, 7 एवं 8 किस प्रकार भरे जाने चाहिए, के संबंध में तथा श्री नृसिंह जाट ने एवं श्री मनोहर शर्मा ने भी उपस्थित मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में फार्म भरने, फार्म भरने में हुई त्रुटियों का निराकरण करते हुए उपस्थित प्रशिक्षणार्थीयों का टेस्ट लेने संबंधी गतिविधियों करवाई गई। उपस्थित सभी मास्टर ट्रेनर्स को बीएलओ रजिस्टर एवं बीएलओ ऐप्पध में किस प्रकार फॉर्म की एन्ट्री की जाती है, इस बारे में अवगत कराया। प्रशिक्षण में ईआरओ एवं एईआरओ भी उपस्थित थे।

मेवाड़ के सांवलिया सेठ मंदिर में खुले दान पात्र

नीमच, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। चित्तौड़गढ़ ज़िले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ के मंदिर में मंगलवार को दान पात्र खोले गए। हर महीने की तरह इस बार भी अमावस्या से पहले चतुर्दशी के शुभ दिन पर भंडार खोला गया। पहले ही दिन 10 करोड़ 25 लाख रुपयों की गिनती की गई है। दान पात्र को सुबह 11 बजे, मंदिर की राजभोग आरती के बाद खोला गया। इस मौके पर मंदिर मंडल की मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम मौजूद रहीं। उनके निर्देशन में दान की गिनती शुरू की गई। मंदिर प्रशासन के अनुसार, दान की गिनती अभी जारी है और इसमें अभी कई चरण बाकी हैं।अब तक जो राशि गिनी जा रही है, वह सिर्फ मंदिर परिसर में रखे गए दान पात्रों की है। भंडार के अलावा भेंट कक्ष में आए मनी ऑर्डर और बैंक ड्राफ्ट के रुपयों, ऑनलाइन से आए चढ़ावा राशि की ही काउंटिंग बाकी है। इसके अलावा सोने और चांदी के गहनों का तौल करना बाकी है। यह तौल आखरी दिन किया जाएगा। मंदिर समिति का अनुमान है कि इस बार गिनती में 4 से 5 दिन का समय लग सकता है।दान की पारदर्शी गिनती के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त निगरानी व्यवस्था की है। इस मौके पर नायब तहसीलदार और मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी शिव शंकर पारीक, मंदिर के सभी कर्मचारी बैंक के कर्मचारी मौजूद रहे। भगवान श्री सांवलिया सेठ का मंदिर मेवाड़ अंचल का प्रमुख कृष्णधाम है। यहां देशभर से श्रद्धालु दान देने और मन्नतें मांगने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां मांगी गई मुरादें जल्दी पूरी होती हैं। यही कारण है कि यहां दान की राशि हर साल बढ़ती जा रही है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज मंदसौर आयेंगे

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि नगरीय विकास एवं आवास संसदीय कार्य विभाग के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय 25 जून को प्रात: 7:00 बजे इंदौर से मंदसौर के लिए रवाना होंगे। प्रात: 10:00 बजे मंदसौर आएंगे। तय कार्यक्रम अनुसार नगरीय विकास एवं आवास संसदीय कार्य विभाग मंत्री श्री विजयवर्गीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। तत्पश्चात दोपहर 1:30 बजे मंदसौर से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा आज व कल मंदसौर जिले के दौरे पर रहेंगे

मंदसौर, 24 जून गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, वाणिज्यिक कर, आर्थिक, योजना एवं सांख्यिकी विभाग के मंत्री श्री जगदीश देवड़ा 24 जून को रात्रि 9:30 बजे मंदसौर आयेंगे। तथा रात्रि विश्राम करेंगे। 25 जून को प्रात: 10:30 बजे मंदसौर से नीमच ले लिए प्रस्थान करेंगे। तत्पश्चात शाम 5 बजे नीमच से प्रस्थान कर शाम 6 बजे मंदसौर आयेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे। तय कार्यक्रम अनुसार 26 जुन को प्रात: 10:30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा आयोजित कालिदास प्रसंग कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। तत्पश्चात दोपहर 12:00 बजे लसुड़िया राठौर में शास. हाई स्कुल के नवीन भवन का लोकार्पण करेंगे।

विपिन कुमार तिवारी हाईकोर्ट एडवोकेट

कार्यालय-न्यायालय प्रांगण, मंदसौर मो.नं.- 9229823645

दिनांक-23-06-2025

****** जाहिर सूचना ******

सर्व साधारण को मेरे पक्षकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार प्रतापसिंह पिता शंभुसिंह निवासी करोली, तहसील व जिला मंदसौर के दो पुत्र है, छोटा पुत्र विरेन्द्रसिंह विगत कुछ समय से मेरे एवं मेरे परिवार के कहने सुनने में नहीं है। वह गलत लोगों की संगत में पड़ गया है। मुझे जानकारी प्राप्त हुई है कि उसने मेरे एवं मेरे परिवार की सहमति के बगेर लोगों से उधार रूपए, कर्ज ले रखे है। मेरा छोटा पुत्र विरेन्द्रसिंह लोगों को बहला फुसलाकर, भ्रमित कर लोगों को मकान का लोन दिलवाने का आश्वासन देता है। यह मेरी जानकारी में भी नहीं है कि वह क्या काम धंधा कर रहा है। आए दिन शाम को शराब पीकर घर आता है तथा मेरे घर में पृथक निवास कर रहा है।

अतएवं सर्वसाधारण, बैंक, वित्तीय संस्था, अर्द्धशासकीय संस्था को सूचित किया जाता है कि कोई भी मेरे एवं मेरे परिवार के नाम से सहमति के बगेर विरेन्द्रसिंह से रूपए का लेन देन नहीं करें। यदि फिर भी कोई करता है तो संपूर्ण जवाबदारी स्वयं की होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

विपिन कुमार तिवारी एडवोकेट

वास्ते पक्षकार

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in